

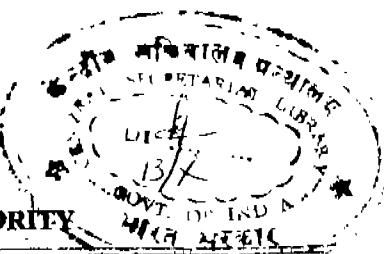
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खंड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 90] नई बिल्लो, शनिवार, जून 25, 1994/आषाढ़ 4, 1916

No. 90] NEW DELHI, SATURDAY, 25 JUNE, 1994/ASADHA 4, 1916

वस्त्र मतानय

(वस्त्र आयुक्त का कार्यालय)

अधिसूचना

बम्बई 22 जून, 1994

मंशोधन

3/5/94/सई/4(1)/1.—आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का 10) की धारा 3 के अंतर्गत जारी तथा संशोधित रूई नियंत्रण आदेश, 1986 के खंड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एतद्वारा निर्देश देता है कि, भारत के राजपत्र असाधारण भाग—I खंड 1 सं० 59, दिनांक 12, अप्रैल 1994 में प्रकाशित अधिसूचना सं० 3/5/94—सई/4(1), दिनांक 07 अप्रैल, 1994 में तिनानुमार संशोधित किया गया है :—

(1) परिच्छेद 1 में “कपास की उपज करने वाले हिन्दू संयुक्त परिवार के सदस्यों के अलावा कोई भी व्यक्ति नहीं” इन शब्दों के स्थान पर “कृषक अथवा कपास उपज करने वाले हिन्दू संयुक्त परिवार के अलावा कोई भी व्यक्ति नहीं”।

(2) परिच्छेद 3 में “कपास उपज करने वाले हिन्दू संयुक्त परिवार के सदस्यों के अलावा व्यक्ति” इन शब्दों के स्थान पर “कृषक अथवा कपास उपज करने वाले हिन्दू संयुक्त परिवार के कृषक के अलावा कोई भी व्यक्ति नहीं।

यह राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभाव में आयेगी।

के. राजेन्द्रन नायर, वस्त्र नायक

MINISTRY OF TEXTILES

(Office of the Textile Commissioner)

NOTIFICATION

Bombay, the 22nd June, 1994

AMENDMENT

No. 3|5|94|Cotton|4(1)|1.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4 of the Cotton Control Order, 1986 as amended, issued in terms of Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), I hereby order to amend the Notification No. 3|5|94-Cotton|4(1) dated 7th April, 1994 published in the Gazette of India Extra-ordinary Part I Section 1 No. 59 dated April, 12, 1994 so as to replace :—

- (i) Words “no person other than a member of Hindu undivided family growing cotton” in its para 1 by the words “no person other than an agriculturist or a Hindu undivided family of agriculturists growing cotton”.
- (ii) Words “persons other than members of Hindu undivided family growing cotton” in its para 3 by words “no person other than an agriculturist or a Hindu undivided family of agriculturists growing cotton”.

2. It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

K. RAJENDRAN NAIR, Textile Commissioner